# तीतुस क पत्र

1 पौलुस कइँती स जेका परमेस्सर क चुना भआ प्रेरित
लोगन क ओनका बिसवास मँ सहायता देइ क बरे अउर
हमरे धरम क सच्चाई क पूरा गियान क रहनुमाई क बरे
भेजा गवा बा, इ सब, लोगन क परमेस्सर की सेवा क
मार्ग बताइ। 2उ मइँ अइसेन एह बरे करत हउँ कि परमेस्सर
क चुने हुअन क अनन्त जीवन क आस बाँधइ। परमेस्सर,
जउन कभउँ झूठ नाहीं बोलत, अनादि काल स अनन्त
जीवन क बचन दिहे अहइ। 3उचिते समइ पइ परमेस्सर
अपने सुसमाचार क संसार क जानकारी बरे परगट किहेस।
उहइ संदेस हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर क आज्ञा स मोका
सऊँपा गवा बा।

4हमार समान बिसवास मँ मोर सच्चा बेटवा तीतुस क:
हमरे परमपिता परमेस्सर अउर उद्धारकर्ता मसीह ईसू कइँती
स अनुग्रह अउर सान्ति मिलइ।

### क्रीत मँ तीतुस क काम

5मइँ तोहे सबन क क्रीत मँ एह बरे छोड़ रहेउँ कि उहाँ
कछू अधूरा रही गवा बा, तू ओका ठीकठाक कइ द्या
अउर मोरे आदेस क अनुसार हर नगर मँ बुजुर्गन क नियुक्त
करा। 6बुजुर्ग क नियुक्त तबहिं कीन्ह जाइ जब उ निर्दोस
होइ। एक पत्नी ब्रती होइ। ओकर बचवन बिसवासी होइँ
अउर अनुसासनहीनता क दोस ओनपर न लगावा जाइ
सकइ। अउर उ पचे निरकुंस भी न होइँ। 7निरीच्छक क
निर्दोस अउर कउनउ खराबी स अछूता होइ चाही। काहेकि
जेका परमेस्सर क काम सऊँपा गवा बा, ओका अड़ियल,
चिड़चिड़ा, बहुत जियादा मदिरा पियइवाला, झगड़ालू, नीच
कमाई क लोलुप न होइ चाही। 8बल्कि ओका तउ
अतिथियन क आवभगत करइवाला, नेकी क चाहइवाला,
विवेक स भरा, धर्मी, भगत, अउर अपने प नियन्त्रण
रखइवाला होइ चाही। 9ओका ओह बिसवास करइ जोग्ग
संदेसा क मजबूती स धारण किहे रहइ चाही जेकर ओका
सिच्छा दीन्ह गइ अहइ, ताकि उ लोगन क सदसिच्छा दइके
ओन्हे प्रबोधित कइ सकइ। अउर जउन एनकर विरोधी होइँ,
ओनकर खण्डन कइ सकइ।

10इ एह बरे इ बहुत जरुरी बा काहेकि उ सबइ बहुत
अहइँ अउर उ पचे उपद्रवी होइके व्यर्थ क बात बनावत भए
दुसरन क भटकावत हीं। मइँ विसेसरूप स गैर यहूदियन
पृष्ठभूमि क लोगन क उल्लेख करत हउँ। 11ओनकर तउ
मुँह बन्द कीन्ह देइ जाइ चाही। काहेकि उ पचे जउन बातन
नाहीं सिखावइ क बाटिन, ओन्हे सिखावत भए घर बिगाड़त
रहत हीं। खराब रस्तन स धन कमाइ क बरे ही ओ अइसेन
करत हीं। 12एक क्रीत क नबियन त अपने लोगन क बारे
मँ खुद कहे बाटइ: "क्रीत क निवासी हमेसा झूठ बोलत हीं,
उ पचे जंगली पसु अहइँ, उ सबइ आलसी बाटेन, पेटू
अहइँ।" 13इ कथन सही बा, इही बरे ओनका बलपूर्वक
डाँटा-फटकारा ताकि उ सत्य बिसवास क अनुसरण कइ
सकइ। 14यहूदियन क पुरान कथनन अउर ओन्हन लोगन क
हुकुमन पइ, जउन सत्य स भटकि गवा हयेन, कउनउ
धियान न द्या। 15पवित्तर लोगन क बरे सब कछू पवित्तर
बाटइ, मुला जउन पापे स असुद्ध अहइँ अउर जेनमाँ
बिसवास नाहीं बा, ओनके बरे कछू भी पवित्तर नाहीं बा।
वरन ओनकर मन अउर विवेक दुइनो हीं असुद्ध अहइँ। 16उ
पचे परमेस्सर क जानइ क दावा करत हीं। मुला ओनकर
करम दर्सावत हीं कि ओ पचे ओका जनबइ नाहीं करतेन।
उ पचे घृणित अउर आज्ञा क उल्लंघन करइवाला अहइँ।
अउर कउनउ अच्छा काम क करइ मँ उ असमर्थ अहइँ।

### सच्ची सिच्छा क अनुसरण

2 मुला तू हमेसा अइसेन बात बोला करा जउन सदसिच्छा
क अनुकूल होइँ। 2बूढ़े मनइयन क उपदेस द्या कि उ
सालीन अउर अपने प नियन्त्रण रखइवाला बनइँ। उ पचे
गंभीर, विवेकी, पिरेम अउर सत्य सिच्छा क अनुसरण
करइवाला होइँ, अउर धीरज सहित सहनसील होइँ।

3इही तरह बुढ़िया स्त्रियन क सिखावा कि उ पचे पवित्तर
जनन क जोग्ग अच्छा व्यवहारवाली बनइँ। निन्दक न बनइँ
अउर बहुत जियादा मदिरा पान क लत ओनका न होइ। उ
अच्छी-अच्छी बातन सिखावइवाल बनइँ जेहि का उ पचे
खुद पालन किए अहइँ। 4ताकि युवतियन क अपने-अपने
बचवन अउर पतियन स पिरेम करइ क सीख देइ सकइँ।
5जेहसे उ पचे संयमी, पवित्तर, अपने-अपने घरन क
देखभाल करइवाली, दयालु, अपने पतियन की आज्ञा मानइवाली
बनइँ। जेका परमेस्सर क बचन क निन्दा न होइ।

6इही तरह जवानन क सिखावत रहा कि उ सबइ संयमी
बनइँ। 7तू अपने आप क अच्छे कामन का उदाहरण
बनावा। तोहार उपदेस सुद्ध अउर गम्भीर होइ चाही।
8अइसेन सद्वानी क प्रयोग करा, जेकर आलोचना न कीन्ह
जाइ सकइ ताकि तोहार विरोधी लज्जित होइँ काहेकि ओनके
लगे तोहरे विरोध मँ खराब कहइ क कछू नाहीं होइ।
9दासन क सिखावा कि उ सब बात मँ अपने स्वामियन क
आज्ञा क पालन करइँ। ओन्हें प्रसन्न करत रहइँ। उलट कर
बात न बोलइँ। 10चोरी चालाकी न करइँ। बल्कि सभन
बिसवासनीयता क प्रदर्सन करइँ। ताकि हमार उद्धारकर्ता
परमेस्सर क उपदेस क सब तरह स सोभा बढ़इ।

11काहेकि परमेस्सर क अनुग्रह सब मनइयन क उद्धार
करइ बरे परगट भवा बा। 12एहसे हम सीख मिलत ह कि
हम परमेस्सर विहीनता क न नकारी अउर संसारिक इच्छन
क निसेध करत-करत अइसेन जीवन जिई। जउन विवेक स
भरा नेक, भक्ति स भरपूर अउर पवित्तर होइ। आज क एह
संसार मँ 13आसा क ओह धन्य दिन क परिपूर्ण करइ क
बाट जोहत रही। जब हमार परम परमेस्सर अउर उद्धारकर्ता
ईसू मसीह क महिमा परगट होई।

14उ हमरे बरे अपने आपके दइ डाएस। ताकि उ सब
तरह क दुस्टतन स हमका बचाइ सकी अउर आपन चुने
भए लोगन क रूप मँ अपने बरे हमका सुद्ध कइ ले
हमका, जउन अच्छा काम करइ क लालायित अहइ। 15इन
बातन क पूरे अधिकार क साथ कहत अउर समझावत रहा,
उत्साहित करत रहा अउर विरोधियन क झिड़कत रहा। ताकि
कोई तोहार अनसुनी न कइ सकइ।

## जीवन क उत्तिम रीति

3 लोगन क याद देवॉवत रहा कि उ पचे राजा लोग
अउर अधिकरियन क अधिन रहइँ। ओनके आज्ञा क
पालन करइँ। सब तरह क उत्तिम कामन क करइ क बरे
तइयार रहइँ। 2कीहीउ क निन्दा न करइँ। सान्ति-पिरेम क
साथ सभी लोगन स मिलकर रहइँ। अउर सज्जन बनइँ। सब
लोगन क साथे नरम व्यवहार करइँ।

3इ मइँ एह बरे बतावत हउँ काहेकि हम हूँ, एक समइ
रहा, जब मूर्ख रहे। आज्ञा क उल्लंघन करत रहे। भ्रम मँ
पड़ा रहे। अउर सबइ वासना अउर सब तरह क सुख-भोग
क दास बना रहे। हम स लोग घिना करत ही। अउर हम
भी परस्पर एक दूसरन स दुस्टता अउर इर्सा करत रहेन। हम
पचन स लोग घिना करत रहेन अउर हम पचे भी ओनसे
घिना करत रहेन। 4मुला जब हमार उद्धारकर्ता परमेस्सर क
मानवता क बरे दया अउर पिरेम परगट भवा 5उ हमार
उद्धार किहेस। इ हमार निर्दोस ठहराइ जाइके बरे हमार
कीहीउ काम द्वारा नाहीं भवा बल्कि ओकरी करुणा द्वारा
भवा। उ हमार रच्छा ओह स्नान क द्वारा किहेस जेहमाँ
हम फिन पइदा होइत ह अउर पवित्तर आतिमा क द्वारा
नवा बनावा जात अहीं। 6उ हम प पवित्तर आतिमा क
हमार उद्धारकर्ता ईसू मसीह क द्वारा भरपूर उँड़ेरे बा।
7अब पमेस्सर हमका आपन करुणा क द्वारा निर्दोस ठहराए
बा ताकि जेकर हम आसा करत रहेन ओह अनन्त जीवन क
उत्तराधिकार क पाइ सकी। 8इ कथन बिसवास करइ क
जोग्ग बा।

अउर मइँ चाहत हउँ कि तू पचे इन बातन पर डटा रहा
ताकि उ पचे जउन परमेस्सर मँ बिसवास करत हीं, अच्छा
कामन मँ लगा रहइँ। इ बातन लोगन बरे उत्तिम अउर
हितकारी बाटिन।

9बंसावली सबन्धी विवादन, व्यवस्था सम्बन्धी झगड़ा-झमेलन
अउर मूर्खता भरा मतभेदन स बचा रहअ काहेकि ओनसे
कउनउ लाभ नाहीं उ सबइ बेकार अहइँ। 10जउन आदमी
फूट डालत होइ, ओसे एक या दुइ बार चेतावनी देइके
अलग होइ जा। 11काहेकि तू जानत अहा कि अइसा मनई
रस्ता स भटकि गवा बा अउर पापन क करत बाटइ। उ
तउ खुद अपने क दोसी ठहराए बाटइ।

## याद रखइ क कछू बातन

12मइँ तोहरे लगे जब अरतिमास या तुखिकुस क भेजउँ
तउ मोरे लगे निकुपुलिस आवइ क भरपूर जतन करा काहे
कि हम उहइ सर्दी बितावइ क निस्चय कइ रखेउ ह।
13वकील जेनास अउर अपुल्लोस क ओनकी जात्रा क बरे
जउन कछू आवस्यक होइ, ओकरे बरे तू भरपूर सहायता
जुटाइ द्या ताकि ओन्हे कउनउ बात क कउनो कमी न
रहइ। 14हमरे लोगन क सतकर्मन मँ लगा रहब सीखइ
चाही। ओहमाँ स भी जेनका बहुत जियादा जरूरत होइ,
ओका पूरा करब ताकि उ पचे विफल न होइँ।

15जउन मोरे साथे अहइ, ओ सब क तोहे नमस्कार।
हमरे बिसवास क कारण जउन लोग हमसे पिरेम करत हीं,
ओन्हेऊ नमस्कार।

परमेस्सर क अनुग्रह तू सबके साथे रहइ।